प्रेस विज्ञप्ति

गोविन्द बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय पंतनगर, जिला- ऊधमसिंह नगर (उत्तराखण्ड)

दलहनी फसलों की कार्यशाला के समापन सत्र में वैज्ञानिक सम्मानित

पंतनगर। ०९ मई, २०१७। पंतनगर विश्वविद्यालय में चल रही दलहनी फसलों (उर्द, मूंग ग्वार, लोविया मोठ एवं कुल्थी) की अखिल भारतीय समन्वित परियोजना मुलार्प एवं ऐरिड लेग्यूम की कार्यशाला का सोमवार को समापन हो गया। समापन सत्र की अध्यक्षता अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक एवं विश्वविद्यालय में विजिटिंग प्रोफेसर, डा. बी.बी. सिंह, ने किया, जिसमें लोबिया की उन्नत प्रजाति के.बी.सी-०९ को विमोचन के लिए चिन्हित किया गया तथा परियोजना समन्वयक द्वारा आगामी वर्ष हेतु तैयार किये गये तकनीकी कार्यक्रमों की रूप रेखा प्रस्तुत की गयी। इन कार्यक्रमों का अनुमोदन भी इस सत्र में कर दिया गया। इस कार्यशाला के दौरान पंतनगर विश्वविद्यालय के दलहन परियोजना के वैज्ञानिकों डा. रमेश चन्द्र, डा. रविन्द्र पंवार, डा. वी.के. सिंह, डा. एस.के. वर्मा, डा. के.पी.एस. कुशवाहा, डा. नवनीत पारीक, डा. चन्द्रभूषण, डा. एल.बी. यादव, डा. मीना अग्निहोत्री, डा. अंजू अरोरा, डा. आर.पी. मोर्य एवं डा. डी.के. शुक्ला को सामूहिक रूप सें उनके उत्कृष्ट कार्य हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। समापन सत्र के दौरान ख्याति प्राप्त वैज्ञानिक, डा. एम.एन. सिंह, दलहन प्रजनक, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी एवं डा. रेड्डी, भाभा एटोमिक रिसर्च सेन्टर, मुम्बई, को उनकी सेवानिवृत्ति पर उन्हें शाल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर दलहन समूह द्वारा सम्मानित किया गया।

भारतीय दलहन अनुसंधान संस्थान, कानपुर, के डा. संजीव गुप्ता (परियोजना समन्वयक, मुलार्प) ने विश्वविद्यालय के कुलपति एवं निदेशक शोध को कार्यशाला आयोजन हेतु धन्यवाद ज्ञापित किया तथा विभिन्न व्यवस्थाओं हेतु बनाई गई समितियों के कार्यों की सराहना की। अन्त में कार्यक्रम समन्वयक एवं कार्यशाला के आयोजक, डा. रमेश चन्द, ने धन्यवाद दिया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न संस्थानों से लगभग १६० दलहन वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

कार्यशाला के समापन सत्र में सेवानिवृत्ति पर वैज्ञानिक को साल ओढ़ाकर सम्मानित करते अधिष्ठाता कृषि, डा. डी.एस. पाण्डे एवं अन्य वैज्ञानिक